Synergy

BSES YAMUNA | मार्च - अप्रैल 2006 | BSES RAJDHANI

अब आपके द्वार....

अब आप बिजली बिल का भुगतान अपने बिल्कुल आसपास भी कर सकते हैं और चौबीसों घंटे व सातों दिन।

प्रोजेक्ट निकट के तहत बीएसईएस ने मौसमों की मार से अछूता रहने वाले फाइबर ग्लास के खूबसूरत चेक ड्रॉप बॉक्स लगाने शुरू किए हैं। अपने इलाके की विभिन्न कॉलोनियों में ये बॉक्स लगाए जा रहे हैं। इन ड्रॉप बॉक्सेज को रोज खोला जाएगा और उनमें डाले गए चेक निकाले जाएंगे।

ग्रेटर कैलाश – 1, आरडब्ल्यूए के प्रेजिडेंट श्री अनिल कपूर (दायें से दूसरे) और अन्य सदस्य व निवासी अपनी कॉलोनी में सुविधाजनक स्थान पर लगे बीएसईएस चेक ड्रॉप बॉक्स के पास।

200 से अधिक आरडब्ल्यूएज ने अपनी पसंद की जगहों पर बीएसईएस चेक ड्रॉप बॉक्स लगवा लिये हैं। हम दूसरे उपभोक्ता संगठनों से भी इसी तरह के अनुरोध का स्वागत करते हैं।

ग्रेटर कैलाश – 1, आरडब्ल्यूए के प्रेजिडेंट श्री अनिल कपूर कहते हैं, "बहुत अच्छा काम है यह। बीएसईएस को चाहिए कि वह अपने उपभोक्ताओं को इस तरह की सुविधाएं देना जारी रखे।"

ग्रेटर कैलाश – 1, के ही एक वरिष्ठ नागरिक श्री टीएस कोहली के मुताबिक, "यह बीएसईएस द्वारा उपलब्ध कराई गई सबसे लाभदायक और जरूरी सेवाओं में से है। यह वरिष्ठ नागरिकों को भीड़भाड़ वाली सड़कों पर जाने से बचाएगा। हम इस सुविधा के बारे में सोचने के लिए आपको धन्यवाद देते हैं।"

प्रिंस अपार्टमेंट के प्रेजिडेंट श्री एके आनंद, आईपी सोसायटी के प्रेजिडेंट श्री एसके बिस्वास, श्री नवीन वत्स (बीएसईएस) फेडरेशन ऑफ ग्रुप हाउसिंग सोसाइटीज के महासचिव श्री एमएन भट्टाचार्य और आईपी एक्सटेंशन में सुख सागर की सचिव श्रीमती संगीता गोयल चेक ड्रॉप बॉक्स के पास।

फेडरेशन ऑफ ग्रुप हाउसिंग सोसाइटीज, आईपी एक्सटेंशन के महासचिव श्री एमएन भट्टाचार्य ने कहा, "उपभोक्ताओं के व्यक्तिगत बिलों के अलावा, इन चेक ड्रॉप बॉक्सेज के माध्यम से सोसाइटी के बिलों का भी भुगतान किया जा सकता है। आसपास की सोसाइटीज में रहने वाले लोग भी इस सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। यह बहुत अच्छी सुविधा है और इससे समय की भी बचत होगी। यह सुविधा पाकर सभी बहुत खुश हैं।"

जनरल मशीनरी मर्चेंट्स असोसिएशन, श्रद्धानंद मार्ग के महासचिव श्री हरीश कुमार सच्चर का कहना है, "चेक कलेक्शन ड्रॉप बॉक्स उपलब्ध कराने के लिए असोसिएशन के सदस्यों की ओर से मैं बीएसईएस का धन्यवाद करता हूं।"

वैसे, पहले से ही मौजूद भुगतान के 835 विकल्पों के अलावा, उपभोक्ताओं को चेक ड्रॉप बॉक्स की सुविधा दी जा रही है। साथ ही उपभोक्ताओं के पास बीएसईएस की वेबसाइट www.bsesdelhi.com पर ऑनलाइन भुगतान करने की सुविधा भी उपलब्ध है।

प्रिय छात्रों,

बीएसईएस आपको आपकी परीक्षाओं के लिए शुभकामनाएं देती है। हमारा प्रयास है कि आपको निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कराई जाए।

गुड लक !

क्या आप जानते हैं ?

14 दिसंबर, 2006 को आए दिल्ली हाई कोर्ट के एक निर्णय के अनुसार

1. वितरण कंपनी को मीटर बदलने का अधिकार है, चाहे वह दोषपूर्ण न हो।
2. बीआईएस स्टैंडर्ड्स के हिसाब से मीटर के बारे में दिशानिर्देश (स्पेशिफिकेशंस) सुनिश्चित करने का वितरण कंपनियों को अधिकार है, जब तक कि बिजली कानून, 2003 के सेक्शन 55 के तहत निर्देश नहीं आ जाते हैं।
3. ए)– उन सभी मामलों में, जहां वितरण कंपनी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक मीटर लगाए गए हैं, उपभोक्ताओं को सलाह दी जाए कि वे अपना इंटरनल वायरिंग चेक कराएं और यह सुनिश्चित करें कि दो कनेक्शनों के लिए एक ही कॉमन न्यूट्रल न हो।
   बी)– भविष्य में, इलेक्ट्रो मैकेनिकल मीटरों को बदलने से पहले, उपभोक्ता के स्थान की वायरिंग की जांच की जाए और यदि यह पता चलता है कि न्यूट्रल वायर आपस में मिल रहे हैं, तो मीटर को बदलने से पहले वितरण कंपनी द्वारा उपभोक्ता को एक हफ्ते का समय दिया जाए, ताकि समस्या को दूर किया जा सके।

ईमानदारी बरतें : अपने मीटर से छेड़छाड़ न करें

दिल्ली में मीटर से छेड़छाड़ काफी आम है और अब यह एक बड़ी समस्या का रूप धारण कर चुकी है। विभिन्न सर्वेक्षणों व अध्ययनों में यह बात सामने आ चुकी है कि मीटर से छेड़छाड़ का मामला किसी खास वर्ग या इलाके तक ही सीमित नहीं रह गया है। हाल ही में आईपी एक्सटेंशन के नीलकंठ अपार्टमेंट्स में मीटरों से छेड़छाड़ के 17 मामले पकड़े गए और मालवीय नगर में 70 से अधिक मामले पकड़ में आए। मीटर से छेड़छाड़ का यह वायरस इतना फैल चुका है कि ग्रेटर कैलाश, साकेत आदि इलाकों में भी अक्सर मीटर से छेड़छाड़ के मामले सामने आते रहते हैं। लेकिन बीएसईएस के 'डॉक्टर' मीटर से छेड़छाड़ के मामलों को पकडने के लिए स्टेट–ऑफ–द–आर्ट तकनीक का सहारा ले रहे हैं। बड़े पैमाने पर ऐसे लोगों पर भारी जुर्माना किया जा रहा है और उन्हें जेल की सजा तक हो रही है।

बिजली चोरी एक आपराधिक जुर्म है और बिजली चोरी करते पकड़े गए लोगों के खिलाफ बिजली कानून, 2003 के सेक्शन 135, 138 व 150 और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के सेक्शन 420 के तहत मामले चलाये जाते हैं। इस तरह के अपराधों में तीन साल तक की सजा होती है, जुर्माना होता है या दोनों ही हो सकते हैं।

बीएसईएस ने शुरू की पे–बाई–फोन सेवा

पे–बाई–एसएमएस

आपको बिल की रकम और देय तारीख के जिक्र के साथ एक एसएमएस मिलेगा। बिल भुगतान करने के लिए आपको सिर्फ PAY BSESR या PAY BSESY लिखकर 6161 पर एसएमएस करना होगा। रजिस्ट्रेशन फॉर्म पर दिए गए अपने मोबाइल नंबर से एसएमएस करें।

पे–बाई–फोन

अपना नियमित बिल मिलने के बाद उपभोक्ता बिल डेस्क को 26287125 पर सभी कार्यदिवसों में सुबह 9:30 से शाम 6:00 बजे के बीच फोन करें, अपना नया के नंबर दें और भुगतान से संबंधित निर्देश जारी करें। भविष्य में किसी भी संवाद व रेफरेंस के लिए उपभोक्ताओं को एक खास ट्रांजैक्शन आईडी भी दी जाएगी।

पे–बाई–इंटरनेट

जो उपभोक्ता इंटरनेट के माध्यम से भुगतान करना चाहते हैं, उन्हें मेल अलर्ट के तौर पर नया बिल मिलेगा। इसके बाद उन्हें ईमेल आईडी और पासवर्ड का उपयोग कर www.bsesdelhi.com पर लॉगऑन करना होगा। फिर वे किसी भी रजिस्टर्ड बैंक अकाउंट से बिल की रकम का भुगतान कर सकते हैं।

ऑटो–पे

आपके बैंक अकाउंट या क्रेडिट कार्ड से आपके बिलिंग साइकिल के हिसाब से अपने आप ही बिल का भुगतान हो जाएगा। अगर आपने अपनी ईमेल आईडी या मोबाइल नंबर दिया हुआ है, तो आपको बिल भुगतान की जानकारी भी दी जाएगी।

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट www.bsesdelhi.com पर लॉगऑन करें या अपने निकटतम कस्टमर केयर सेंटर से संपर्क करें या फिर 3999 9707 3999 9808 पर संपर्क करें।

अगर आप अपनी शिकायतों के निवारण से संतुष्ट नहीं हैं, तो आप उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच (कंज्यूमर ग्रिवांस रिड्रेसल फोरम) के पास जा सकते हैं।

बीआरपीएल उपभोक्ता संपर्क कर सकते हैं

श्री एस के बहल
चेयरमैन
उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच बीआरपीएल,
सब–स्टेशन बिल्डिंग, सेक्टर 5, पुष्प विहार
नई दिल्ली –110 017
फोनः 3097 8194 / 95, फैक्सः 2956 4400
ईमेलः cgrfbrpl@rediffmail.com

बीवाईपीएल उपभोक्ता संपर्क कर सकते हैं

श्री के एल भयाना
चेयरमैन
उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच बीआरपीएल,
प्रथम तल, सब–स्टेशन बिल्डिंग, शक्ति किरण बिल्डिंग, बीएसईएस, कड़कड़डूमा, शाहदरा
दिल्ली – 110 032
फोनः 3097 8140 / 41, फैक्सः 2238 4886
ईमेलः cgrfbypl@hotmail.com

कृपया हमारे नये हेल्पलाइन नंबर नोट करें:

	बीवाईपीएल	बीआरपीएल
बिजली आपूर्ति	4289 5555	4289 5556
बिल व मीटर	3999 9808	3999 9707
भ्रष्टाचार विरोधी	3999 9888	3999 9777

संपादकीय टीमः कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस विभाग
अपने सुझाव और विचार इस पते पर भेजें: कॉरपोरेट कम्युनिकेशंस, बीएसईएस भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली – 110 019
अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें – www.bsesdelhi.com